अध्याय
08

संस्कृतियों का टकराव

परिचय:-

- 15वीं-17वीं शताब्दी के दौरान यूरोपवासियों और उत्तरी तथा दक्षिणी अमेरिका के मूल निवासियों के बीच संघर्ष हुआ।
- सर्वप्रथम भौगोलिक खोजो में स्पेन और पुर्तगाल के निवासियों ने दिलचस्पी ली।उन्होंने उन प्रदेशों पर शासन करने का अधिकार प्राप्त कर लिया,जिसे वे भविष्य में खोजेगें।
- इटली निवासी क्रिस्टोफर कोलंबस 1492 में पूव´´ की ओर यात्रा करते-करते जिन प्रदेशों में पहुंचा उन्हें उसने 'इंडीज' समझा।
- उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका में दो तरह के संस्कृति के लोग रहते थे।
- मैक्सिको और मध्य अमेरिका के एजटेक और माया समुदाय और पेरु के इंका समुदाय थे।
- 1911ई० में उनका हिस्सा माचू- पिच्छू को फिर से खोज की गई।
- दक्षिणी अमेरिका की खोज और बाद में बाहरी लोगों का वहां बस जाना,वहां के मूल निवासियों और उसकी संस्कृतियों के लिए विनाशकारी साबित हुआ।
- दक्षिणी अमेरिका घने जंगलों और पहाड़ों से ढका हुआ था इसी पहाड़ों और जंगलों के बीच से दुनिया की सबसे बड़ी नदी अमेजन मीलो तक वहां फैला हुआ था।
- ब्राजील पेड़ के नाम पर इस देश का नाम ब्राजील पड़ा।

कैरीबियन दीप समूह और ब्राजील के जन

1. अरावाकी लुकायो
2. एक समुदाय था जो लोग कैरीबियन सागर में स्थित छोटे-छोटे दीप समूह में रहते थे। ये नौका निर्माता थे और डोगियों में बैठकर खुले समुद्र में रहते थे।
3. खेती,शिकार और मछली पकड़ कर अपना जीवन निर्वाह करते थे इसकेअलावा अरावाकी लुकायो जीववादी थे,वे बुनाई की कला में निपुण थे।
4. हैमक यानी झूले का इस्तेमाल उनकी एक विशेषता थी जिसे यूरोपीय लोगों को बहुत पसंद थी।

© ICERT not to be republished

5. स्पेनी लोगों के संपर्क में आने के बाद कोई 25 साल के भीतर ही उनकी जीवन शैली का लगभग सत्यानाश हो गया।

1. तुपिनांबा

2. ये दक्षिणी अमेरिका के पूर्वी समुद्र तट पर और ब्राजील नामक पेड़ों के जंगलों में बसे हुए गांव में रहते थे ।

3. यह घने जंगलों का सफाया नहीं कर सके क्योंकि पेड़ काटने का कुल्हाड़ी बनाने के लिए इनके पास लोहा नहीं था।

4. इनकी खुशहाल जिंदगी को देखकर यूरोपवासी इनसे ईर्ष्या करने लगे, क्योंकि ना कोई राजा ना कोई चर्च था, जो इनकी जिंदगी को नियंत्रित कर सकें।

- **मध्य और दक्षिणी अमेरिका की राज्य व्यवस्था** कैरीबियन और ब्राजील क्षेत्रों के विपरीत मध्य अमेरिका में कुछ सुगठित राज्य थे ।

- वहां मक्के की उपज उनकी आवश्यकता से अधिक होती थी,जो इस एजटेक, माया और इंका जनसमुदाय की शहरीकृत सभ्यताओं का आधार बनी।

एजटेक जन

1. एजटेक जन

2. 12वीं शताब्दी में एजटेक लोग उत्तर से आकर मैक्सिको की मध्यवर्ती घाटी में बस गए थे इस घाटी का नाम उनके' मैक्सली' नामक देवता के नाम पर पड़ा था।

3. राजा पृथ्वी पर सूर्य का प्रतिनिधि माना जाता था। एजटेक समाज पदानुक्रमित थ। अभिजात लोग अपने में से ही सर्वोच्च नेता चुनते थे जो आजीवन शासक बना रखा था।

4. एजटेक ने एक विशाल साम्राज्य की स्थापना की थी जो 2 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ था।

5. चिनाम्पा - सरकंडे की बहुत बड़ी चटाईयाँ बुनकर और उन्हें मिट्टी तथा पत्तों से ढक कर उन्होंने मैक्सिकों झील में कृत्रिम झील बनाए हैं। अत्यंत उपजाऊ द्वीपों के बीच में नहरे बनाई गई जिन पर 1325 में एजटेक राजधानी टेनोकिट्टलान (Tenochtitlan)का निर्माण किया गया।

6. एजटेक शासक अक्सर युद्ध में लगे रहते थे,इसलिए उनके सर्वाधिक भव्य मंदिर भी युद्ध के देवताओं और सूर्य भगवान को समर्पित थे।

माया लोग

1. माया लोग

2. मैक्सिको की माया संस्कृति ने 11वीं -14वीं शताब्दियों के दौरान उल्लेखनीय उन्नति की। एजटेक लोगों की अपेक्षा इनकी राजनीतिक शक्तियाँ कम थी।

3. मक्के की खेती सभ्यता का मुख्य आधार था।खेती करने के तरीके उन्नत और कुशलता पूर्ण थे, जिनके कारण खेती में बेशुमार पैदावार होती थी।

4. इससे शासक वर्ग पुरोहितों और प्रधानों को एक उन्नत संस्कृति के विकास करने में सहायता मिली, जिसके अंतर्गत वास्तुकला, खगोल विज्ञान और गणित जैसे विषयों की अभिव्यक्ति हुई।

5. माया लोगों के पास अपने चित्रात्मक लिपि थी लेकिन इस लिपि को अभी तक पूरी तरह पढ़ा नहीं जा सका है।

© JCERT not to be republished

पेरू के इंका लोग

1. पेरु के इंका लोग

2 देशज संस्कृतियों में से सबसे बड़ी पेरु में क्वेचुआ या इंका लोगों की संस्कृति थी।

3. बारहवीं शताब्दी में प्रथम इंका शासक मैंको कपाक ने कुजुको में अपनी राजधानी स्थापित की थी। इंका साम्राज्य इक्वेडोर से चिल्ली तक फैला हुआ था।

4. साम्राज्य केंद्रीकृत था राजा में ही संपूर्ण शक्ति निहित थी।जीते गए कबीलों और जनजातियों को पूरी तरह अपने भीतर मिला लिया जाता था।

5. वास्तुकला -उच्च कोटि के भवन निर्माता थे उन्होंने पहाड़ों के बीच इक्वेडोर से चिल्ली तक अनेका अनेक सड़क बनवाई थी ।

6. इस सभ्यता का आधार कृषि था यहां के जमीन खेती के लिए उपजाऊ मिट्टी नहीं थी इसलिए उन्होंने पहाड़ी इलाकों में सीढ़ीदार खेती बनाए और जल निकासी तथा सिंचाई विकसित की।

7. मुख्य फसल मक्का और आलू था। भोजन और श्रम के लिए लामा पालते थे तथा मिट्टी के बर्तन बनाने में निपुण थे।

8. इनकी भाषा क्वेचुआ था और ये लेखन कि किसी प्रणाली का विकास नहीं किए, लेकिन कियुपु यानी डोरियों पर गाठें लगाकर गणितीय आंकड़ों का हिसाब रखते थे।

युरोपवासियों की खोज यात्राएं।

1. यूरोपवासियों की खोज यात्राएं।

2. दक्षिणी अमेरिकी और कैरीबियन लोगों को यूरोपवासियों के अस्तित्व का पता तब चला जब जहाजों द्वारा पार करके वहां पहुंचे ।

3. 1380 ई० में दिशा सूचक यंत्र यानी कुतुबनुमा का आविष्कार हो चुका था जिससे खुले समुंद्र में दिशाओं का सही जानकारी लेने में सहायता मिलती थी।

4. टालमी की 'ज्योग्राफी' नामक पुस्तक 1477ई० मुद्रित हुई। टालमी मिस्र का निवासी था उन्होंने अक्षांश और देशांतर को व्यवस्थित रुप दिया उसने बताया की दुनिया गोल है।

5. 15वी शताब्दी में स्पेन और पुर्तगाल के लोगों ने खोजों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई स्पेन और पुर्तगाल के शासक ने विशेष रूप से समुद्री खोज के लिए लालायित थे। क्योंकि उनके सिर पर सोने तथा धन दौलत के भंडारों एवं सम्मान प्राप्ति का भूत सवार था ।

6. 14वीं शताब्दी के बाद के दशकों में मंदी की वजह से व्यापार में गिरावट आई। 1453 ई०में तुर्कों द्वारा कुस्तुनतुनिया की विजय के बाद तो व्यापार और मुश्किल हो गया।

7. बाहरी दुनिया के लोगों को ईसाई बनाने की संभावना ने भी ईसाइयों को इन साहसिक कार्यों की तरफ उन्मुख किया।

8. पुर्त´गाल से अलग होकर 1139ई०में स्पेन एक स्वतंत्र राष्ट्र बना। पुर्तगाल के राजकुमार हेनरी था,जो 'नाविक' नाम से मशहूर था।

अटलांटिक पारगमन

1. क्रिस्टोफर कोलंबस

2. क्रिस्टोफर कोलंबस भविष्यवाणियों में

© JCERT not to be republished

विश्वास करते हुए वह मानता था कि उसके भाग्य में पश्चिम की ओर से यात्रा करते हुए पूर्व की ओर जाने का, रास्ता खोजना लिखा है।

3. वह कार्डिनल पिएर डिऐली द्वारा 1410ई०में लिखी गई पुस्तक से बहुत प्रेरित हुआ।

4. कोलंबस का एक छोटा बेड़ा जिसमें सांता मारिया नाम की एक छोटी नाव और दो कैरेवल यानी छोटे हल्के जहाज पिंटोंऔर नीना थे।सांता मारिया की कमान स्वयं कोलंबस की हाथों में थी उसमें 40 कुशल नाविक थे। वह 33 दिनों तक चलता रहा।

5. 12 अक्टूबर 1492 को जमीन दिखाई दी जिसे कोलंबस ने भारत समझा लेकिन वह स्थान बहामा द्वीप समूह का गुआनाहानि था। कोलंबस ने गुआनाहानि में स्पेन का झंडा गाड़ दिया।

अमेरिका में स्पेन के साम्राज्य की स्थापना

1. अमेरिका में स्पेन के साम्राज्य।

2. स्पेनी साम्राज्य का विस्तार बारुद और घोड़ों के इस्तेमाल पर आधारित सैन्य शक्ति की बदौलत हुआ था।

3. प्रारंभ में खोज के बाद छोटी बस्तियां बसानी पड़ती थी जिसमें रहने वाले स्पेनी लोग स्थानीय मजदूरों पर निगरानी रखते थे।

4. स्थानीय प्रधानों ने सोने के नए-नए स्रोत खोजने के लिए सैनिकों को भर्ती किए और सैनिक दमन और बेगार का तांडव मचाया।चेचक ने स्थानीय लोगों पर कहर ढा दिया क्योंकि उन्हें प्रतिरोध क्षमता नहीं थी।

5. स्थानीय लोगों का मानना था कि बीमारी का कारण स्पेनी द्वारा चलाए जाने वाले अदृश्य गोलियां थी।यह काम हरमन कार्टेश और फ्रांसिस्को पिजारो का था। उनकी अभियानों का खर्चा स्पेन के जमींदारों नगर परिषद के अधिकारियों और अभिजात वर्ग ने उठाया।

कार्टेश और एजटेक लोग

1. कार्टेश और एजटेक लोग

2. कार्टेश और उसके सैनिकों ने मैक्सिको को 1519 ई० में जीत लिया।वह क्यूबा से मैक्सिकों आया जहां उसने टाटानैक समुदाय से दोस्ती कर ली।टाटानैक समुदाय एजटेक शासन से अलग होना चाहता था एजटेक शासक मोंटेजुमा था।

3. डोना मैरीना, कार्टेश की एक सहायिका थी जो 3 भाषाओं में प्रवीण थी।

4. स्पेन के प्रति सम्राट मोंटेजुमा के समर्पण को औपचारिक बनाने के प्रयत्न में कार्टेश ने एजटेक मंदिरों में ईसाई प्रतिमा लगवाएं 25 जून 1520 को को वापस लौट गया।

5. मैंक्सिको पर विजय प्राप्त करने में 2 वर्ष का समय लग गया और उसे चार्ल्स पंचम द्वारा सम्मानों से विभूषित किया गया।

6. मैंक्सिको से स्पेन वासियों ने अपना नियंत्रण ग्वाटेमाला,निकारगुआ और होंडुरास पर भी स्थापित कर लिया।

पिजारो और इंका लोग

1. पिजारो और इंका लोग

2. पिजारो गरीब और अनपढ़ था वह सेना में भर्ती होकर 1502 में कैरेबियन द्वीप समूह में आया था।

© JCERT not to be republished

3. 1532 में वहां आताहुआल्पा ने एक गृह युद्ध के बाद इंका साम्राज्य की बागडोर अपने हाथों में ले ली थी इसी परिदृश्य में पिजारों ने प्रवेश किया और जाल बिछाकर राजा को बंदी बना लिया।

4. पिजारों ने राजा को वध करवा दिया और उसके सेना ने लूटपाट मचाई ।यह विद्रोह 1534 तक चलता रहा।

5. अगले 5 वर्षों में स्पेनियों ने पोटोसी,ऊपरी पेरू की खानों में चांदी के विशाल भंडारों का पता लगा लिया और इंका लोगो को गुलाम बना लिया।

कैब्राल और ब्राजील

1. कैब्राल और ब्राजील

2. ब्राजीलवुड वृक्ष के नाम पर यूरोपवासियों ने इस प्रदेश का नाम ब्राजील दिया।

3. इमारती लकड़ी के इस व्यापार की वजह से फ्रांसीसी व्यापारियों के बीच भयंकर लड़ाईयां लड़ी।जिसमें पुर्तगालियों की जीत हुई।

4. 1534ई० में पुर्तगाल के राजा ने ब्राजील के तट को 14 आनुवंशिक कप्टानियों में बांट दिया।

5. 1549 में पुर्तगालियों राजा के अधीन एक औपचारिक सरकार स्थापित की गई ।

विजय उपनिवेश और दास व्यापार

1. विजय,उपनिवेश और दास व्यापार

2. विजय

3. उपनिवेश

4. दास व्यापार

5. 15 वी शताब्दी की शुरू में की गई यूरोपीय समुद्री परियोजनाओं ने एक महासागर से दूसरे महासागर तक अटूट समुद्री मार्ग खोल दिए।इससे यूरोपवासियों के लिए भी अमेरिका की खोज के दीर्घकालीन परिणाम निकले।

6. अटलांटिक महासागर के किनारे-किनारे स्थित ऐसे देश,विशेष रूप से इंग्लैंड बेल्जियम और हालैंड जिन्होंने खोजो का लाभ उठाया।

7. अमेरिका में दो बड़ी सभ्यताओं एजटेक और इंका के अचानक नष्ट हो जाने से यह बात उजागर होती है कि आपस में लड़ने वाली है दोनों संस्कृतियाॉ एक दूसरे से बहुत भिन्न थी।

8. यूरोपवासियों को नई दुनिया में पैदा होने वाली नई-नई चीजों जैसे तंबाकू, आलू, गन्ने की चीनी, ककाओ, रबड़ आदि से परिचित कराया।

9. अमेरिका के मूल निवासियों को गुलाम बनाकर खानों,बागानों और कारखानों में काम लिया जाने लगा इसके साथ-साथ वहां उत्पादन की पूंजीवादी प्रणाली का उदय हुआ।

10. नई-नई आर्थिक गतिविधियों जोरो से शुरू हो गई। जंगलों की सफाई करने से प्राप्त भूमि पर पशुपालन किया जाने लगा। सभी कामों के लिए सस्ते श्रम की मांग बढ़ने लगी।

11. 1601ई० में स्पेन के फिलीप द्वितीय सार्वजनिक रूप से बेगार प्रथा पर रोक लगा दी लेकिन एक गुप्त आदेश के द्वारा इसे चालू रखने की व्यवस्था भी कर दी।

स्मरणीय तथ्य

- अरावाकी लुकायो समुदाय के लोग

© JCERT not to be republished

कैरीबियन सागर में स्थित छोटे-छोटे द्वीपों समूह में रहते थे।

- हैमक यानी झूला का इस्तेमाल अरावाकी लोग करते थे।
- ब्राजील पेड़ के नाम पर ही ब्राजील देश का नाम पड़ा।
- चिली के कवि नेरुदा इंका लोगों की कला-कौशल की प्रशंसा की है ।
- 1470ई०में टॉलमी ने ज्योग्राफी नामक पुस्तक लिखी। कोलंबस ने बहामा द्वीप समूह और क्यूबा पर 1492 ने स्पेन की दावेदारी की ।
- अनखोजी दुनिया का 1494 में पुर्तगाल और स्पेन के बीच बंटवारा हुआ ।
- जॉन कैबोट ने उत्तरी अमेरिका समुद्र तट की खोज की।
- 1498 में वास्कोडीगामा कालीकट (भारत) पहुंचा।
- कैब्राल ने ब्राजील पर पुर्तगाल की दावेदारी की। 1521 में कोर्टेश ने एजटेक लोगों को हराया।
- 1486 में उत्तमाशा अंतरीप की खोज बोथेलो म्यूडियाज ने की थी।
- मैगलन स्पेन निवासी था इसने समुद्री मार्ग से संपूर्ण विश्व का चक्कर लगाने वाला प्रथम व्यक्ति था।
- 1600 ई०में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना हुई।
- 1602 में डच ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना हुई ।
- 1776 में उत्तरी अमेरिकी उपनिवेश ने ब्रिटेन के विरुद्ध विद्रोह करके संयुक्त राज्य अमेरिका का निर्माण किया।
- एरिक विलियम्स पहला इतिहासकार था जिसने 1940 के दशक में अपनी पुस्तक 'कैपिटलिज्म एंड स्लेवरी' में अफ्रीकी गुलामों द्वारा सही गई तकलीफों को लिखा।
- दक्षिण अमेरिका को आज लैटिन अमेरिका भी कहा जाता है ।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. अरावाकी लुकायों समुदाय की एक विशेषता हैमक थी। हैमक क्या था ?

   (क) झूला (ख) खेलकूद

   (ग) उत्सव. (घ) नाव

2. किस देश का नाम पेड़ के नाम पर पड़ा है?

   (क) ब्राजील (ख) चीन

   (ग) स्पेन (घ) चिली

3. ब्राजील की खोज किसने की थी?

   (क) कोलंबस (ख) कैब्राल

   (ग) वास्कोडिगामा(घ) मैगलेन

4. ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना कब हुई थी

   (क) 1598 (ख) 1599

   (ग) 1600 (घ) 1608

5 तुर्को ने कुस्तुनतुनिया पर कब विजय प्राप्त की थी।

   (क) 1415 (ख) 1425

   (ग) 1443 (घ) 1453

© JCERT not to be republished

लघु उत्तरीय प्रश्न

6. अरावी लुकायों कौन थे, इनकी विशेषताएं क्या थी ?

7. अटलांटिक पारगमन से आप क्या समझते हैं?

8. माया लोग कौन थे उनकी विशेषताएं क्या थी?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

9. यूरोदवासियों की खोज यात्राएं पर संक्षिप्त वर्णन करें?

10. अमेरिका में स्पेन के साम्राज्य की स्थापना पर प्रकाश डालें।

© JCERT not to be republished